विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग - द्वितीय दिनांक :- 02/07/2021

विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि

एनसीईआरटी पर आधारित

कछुआ और खरगोश

किसी जंगल में एक खरगोश रहता था। उसे अपनी तेज गति पर बहुत घमंड था। जंगल में रहने वाले पशुओं के सामने वह सदा अपनी बड़ाई किया करता था कि उससे तेज कोई भाग ही नहीं सकता।

एक दिन उसने सभी जानवरों को दौड़ लगाने की चुनौती दे दी। एक कछुआ सामने आया और बोला, “मुझे तुम्हारी चुनौती स्वीकार है।”

खरगोश ने जोर से ठहाका मारा और कहा, “कछुए भाई, तुम अच्छा मजाक कर लेते हो... तुम दौड़ोगे मेरे साथ?” कछुए ने कहा, “अधिक न इतराओ, कल मैदान में देख लेना।”

अगले दिन नियमित समय पर दोनों दौड़ के लिए आए। सभी जानवर इकट्ठे थे। दूरी तय हुई और दौड़ शुरु हुई।

खरगोश भागा और आँखों से ओझल हो गया। थोड़ी दूर जाकर खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, कछुआ नहीं दिखा। उसने सोचा कि वह धीरे-धीरे आएगा तब तक क्यों न थोड़ा आराम कर लूँ?

खरगोश एक पेड़ के नीचे लेटा और उसकी आँख लग गई। इधर कछुआ बिना रुके लगातार चलता रहा और खरगोश को सोता छोड़कर जीत की रेखा तक पहुँच गया।

शिक्षा : सतत् प्रयत्न करने वाला सदा विजयी होता है।

****

ज्योति